बीमार नवजात एवं छोटे शिशुओं की देखभाल

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL

हरियाणा		पलवल
492,414	कुल जन्म 2015-16	23,444
8544 (1.7 %)	शिशु मृत्यु	679 (2.8 %)
5911 (69 %)	नवजात मृत्यु	464 (68 %)

एचएमआईएस, 2015-2016

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL

शिशुओं की ज्यादातर मृत्यु क्यों होती है?

- गंभीर संक्रमण (बुखार/बिना बुखार)
- पीलिया
- जन्म के समय सांस अवरोध
- निमोनिया
- छोटे शिशु/ कम वजन वाले शिशु
- दस्त

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL

क्या हम इन शिशुओं को बचा सकते हैं?

ज्यादातर को ...बिल्कुल!

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL

कैसे?

बीमार शिशु

1

खतरे के लक्षणों को पहचानना

माँ और परिवार

गृह भेंट

आशा बहन जी

माँ को खतरे के लक्षणों को पहचानना सिखाती है

2

सही उपचार के लिए तुरंत निकट के स्वास्थ्य केंद्र जाना

उप-केंद्र
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

डॉक्टर या ए एन एम दीदी

मामूली बीमारी का उपचार और देखभाल

गंभीर रूप से बीमार शिशु को अस्पताल में भर्ती करने लिए सुनिश्चित करना

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL

खतरे के 7 लक्षण (कोई भी होने पर शिशु को स्वास्थ्य कर्मी के पास तुरंत ले जाना चाहिए)

बुखार (≥ 99° F)

ठंडा पड़ना (< 95° F)

ठीक से दूध न पीना/बिल्कुल ही न पीना

सुस्त/ निढाल होना

तेज सांस लेना

पसली चलना

दौरे पड़ना

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL

सोमार्थ का योगदान

2

1

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL

सोमार्थ कहाँ पर ये काम कर रहा है ?

- **51** गाँव
- **2 लाख** जनसँख्या
- **5 हजार** नवजात (1 साल में)
- **500** बीमार शिशु (1 साल में)

- **18** उप-केंद्र
- **4** प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र
- **3** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र
- **1** जिला अस्पताल

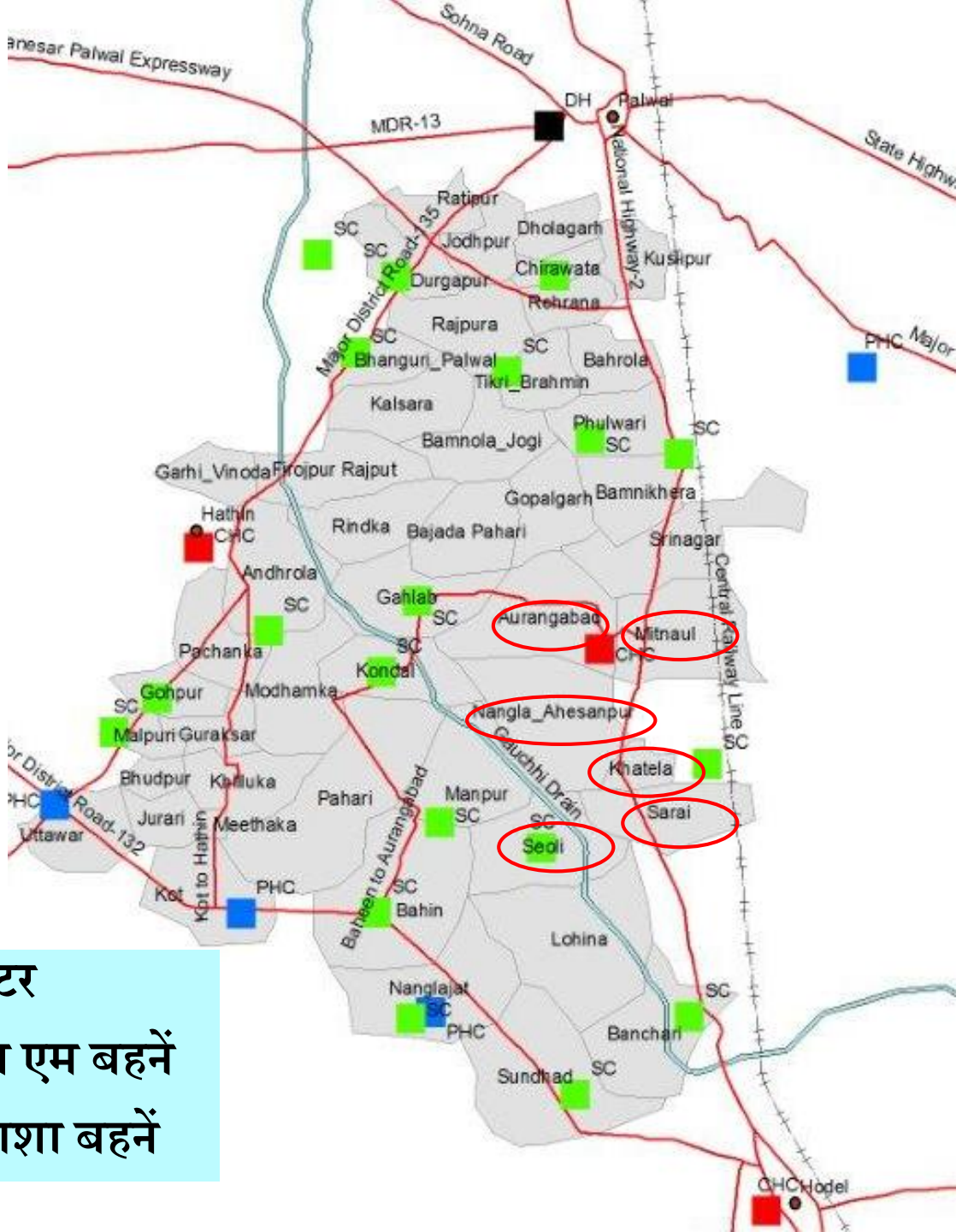

- 16 डॉक्टर
- 36 ए एन एम बहनें
- 172 आशा बहनें

सोमार्थ का योगदान

1 परिवार में बीमार शिशु की पहचान और तुरंत नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र पर लाना

आशा बहनों को प्रशिक्षण

2 माह से छोटे शिशुओं में खतरे के लक्षणों को पहचानना

कैसे माँ को खतरे के लक्षणों को पहचानना सिखाना

अब तक

- 3 प्रशिक्षण कार्यशाला
- 74 आशा कार्यकर्ता

नवजात की सूची पूरी करने में मदद

सोमार्थ कर्मियों द्वारा नवजात की सूची तैयार करके आशा बहन की सूची से मिलाना

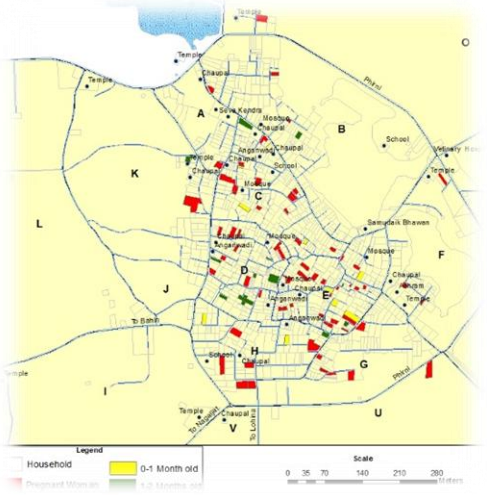

समय पर गृह भेंट (एचबीएनसी) सुनिश्चित करना

आशा बहन जी के साथ मिलके विजिट प्लान बनाना और समय-समय पर गृह भेंट करने के लिए फ़ोन करके याद दिलाना

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL

सोमार्थ का योगदान

2 तुरंत सही इलाज शुरू करवाना

ए एन एम बहनों और डॉक्टर का प्रशिक्षण

2 माह से छोटे शिशुओं में खतरे के लक्षणों को पहचानना

कैसे जांच की जाए और उपचार दिया जाए

3 दिन का प्रशिक्षण कार्यशाला

सफदरजंग अस्पताल से 3 वरिष्ठ बच्चों के डॉक्टर

1 दिन सफदरजंग अस्पताल ले जाकर 2 महीने से छोटे बीमार बच्चों की जांच करने का तरीका सिखाया

अब तक

- 1 प्रशिक्षण कार्यशाला
- 10 डॉक्टर
- 7 ए एन एम बहनें

बीमार शिशु की जांच एवं ईलाज में स्वास्थ्य कर्मियों का विश्वास बढ़ाना (हैंड होल्डिंग)

शुरुआती एक महीने के लिए जब आशा बीमार शिशु को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाती है तो एएनएम बहन और डॉक्टर के आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए सोमार्थ के प्रशिक्षित डॉक्टर उपस्थित रहते हैं।

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL

पिछले 10 हफ़्तों में हमने क्या देखा!

6 गाँव में काम शुरू हुआ

2 उप-केंद्र 1 सामुदायिक स्वास्थ्य

29 हजार जनसँख्या

उपलब्धी!

प्रभावी ढंग से आशा बहनों ने बीमार शिशुओं की पहचान की

87 % शिशुओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औरंगाबाद में उपचार दिया गया

सभी बीमार बच्चे स्वस्थ हो गये!

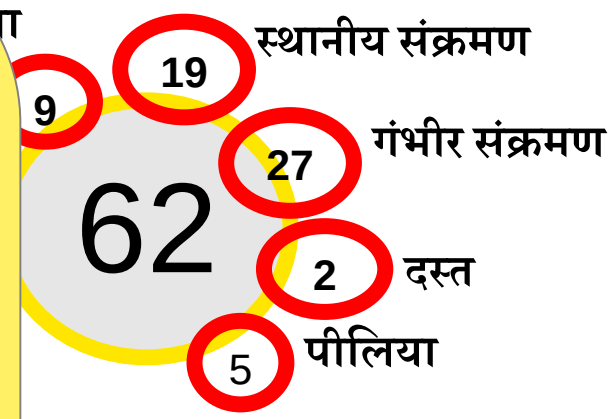

र शिशुओं को आशा बहन जी ने
हचाना और तुरंत रेफेर किया

यिक स्वास्थ्य
ार मिला

जिला अस्पताल में उपचार मिला

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL

आगे का सफर !

- **98** आशा बहनों का प्रशिक्षण
- **30** ए एन एम बहनों का प्रशिक्षण
- **12** चिकित्सकों का प्रशिक्षण
- **45** गाँव में काम की शुरुआत

हम एक साल में लगभग 5000-6000 छोटे शिशुओं का 51 गाँव में आशा द्वारा फॉलो-अप सुनुश्चित करवाएंगे।

हम यह उम्मीद करते हैं कि करीब-करीब 500-600 बीमार नवजात शिशुओं की समय पर पहचान और सही उपचार सुनिश्चित कर सकेंगे।

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL

सभी स्थानीय निवासियों का,
आशा बहनजियों का,
स्वास्थ्य कर्मियों का

धन्यवाद!

THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL